वर्ण-विचार
(Phonology)

क्र० सं०	वर्ण विवरण	वर्ण का नाम	वर्णों की संख्या
01	अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ	स्वर वर्ण	11
02	क वर्ण च वर्ण ट वर्ण त वर्ण प वर्ण	स्पर्श व्यंजन	25
03	य र ल व	अन्तस्थ व्यंजन	04
04	श ष स ह	उष्म व्यंजन	04
05	ड़ ढ़	द्विगुण/अतिरिक्त व्यंजन	02
06	ं ः	अयोगवाह	02
07	क् + ष = क्ष त् + र् = त्र ज् + ञ् = ज्ञ श् + र् = श्र	संयुक्त व्यंजन	04
		योग -	52

वर्ण भाषा की उस मूल ध्वनि को कहते हैं जिसके और टुकड़े न हो सके।

Scanned with CamScanner

वर्णमाला ➡ वर्णमाला, वर्ण + माला दो शब्दों से मिलकर बना है। वर्णों की माला वर्णमाला कहलाती है। दूसरे शब्दों में - वर्णों के क्रमबद्ध समूह को वर्णमाला कहते हैं।

1. **स्वर** ➡ जिन वर्णों का उच्चारण करते समय किसी अन्य वर्ण की सहायता नहीं लेनी पड़ती है, वे वर्ण स्वर कहलाते हैं।

2. **व्यंजन** ➡ वे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं।

इन वर्णों का उच्चारण करते समय वायु फेफड़ों से रुककर बाहर निकलती है। व्यंजन के उच्चारण के आधार पर निम्नलिखित तीन भेद माने गए हैं।

1. स्पर्श व्यंजन ⇒ इनके पाँच वर्ग हैं। हर वर्ग में पाँच व्यंजन हैं। हर वर्ग का नाम वर्ग के पहले वर्ण के नाम पर रखा जाता है।

(क - वर्ग)	क ख ग घ ङ
(च - वर्ग)	च छ ज झ ञ
(ट - वर्ग)	ट ठ ड ढ ण
(त - वर्ग)	त थ द ध न
(प - वर्ग)	प फ ब भ म

2. अंतस्थ व्यंजन ⇒ य र ल व

3. ऊष्म व्यंजन ⇒ श ष स ह

उच्चारण - स्थान ⇒ मुख के जिस भाग से जो वर्ण बोला जाता है, वह भाग उस वर्ण का उच्चारण - स्थान कहलाता है।

Scanned with CamScanner

उच्चारण-स्थान की तालिका

स्थान	वर्ण	नाम
कंठ	अ, आ, क्, ख्, ग्, घ्, ङ्, ह्	कंठ्य
तालु	इ, ई, च्, छ्, ज्, झ्, ञ्, य्, श्	तालव्य
मूर्धा	ऋ, ट्, ठ्, ड्, ढ्, ण्, र्, ष्	मूर्धन्य
दंत	त्, थ्, द्, ध्, न्, ल्, स्	दंत्य
ओष्ठ	उ, ऊ, प्, फ्, ब्, भ्, म्	ओष्ठ्य
कंठतालु	ए, ऐ	कंठतालव्य
कंठओष्ठ	ओ, औ	कंठोष्ठ्य
दंतोष्ठ	व्	दंतोष्ठ्य
नासिका	ङ्, ञ्, ण्, न्, म्	नासिक्य

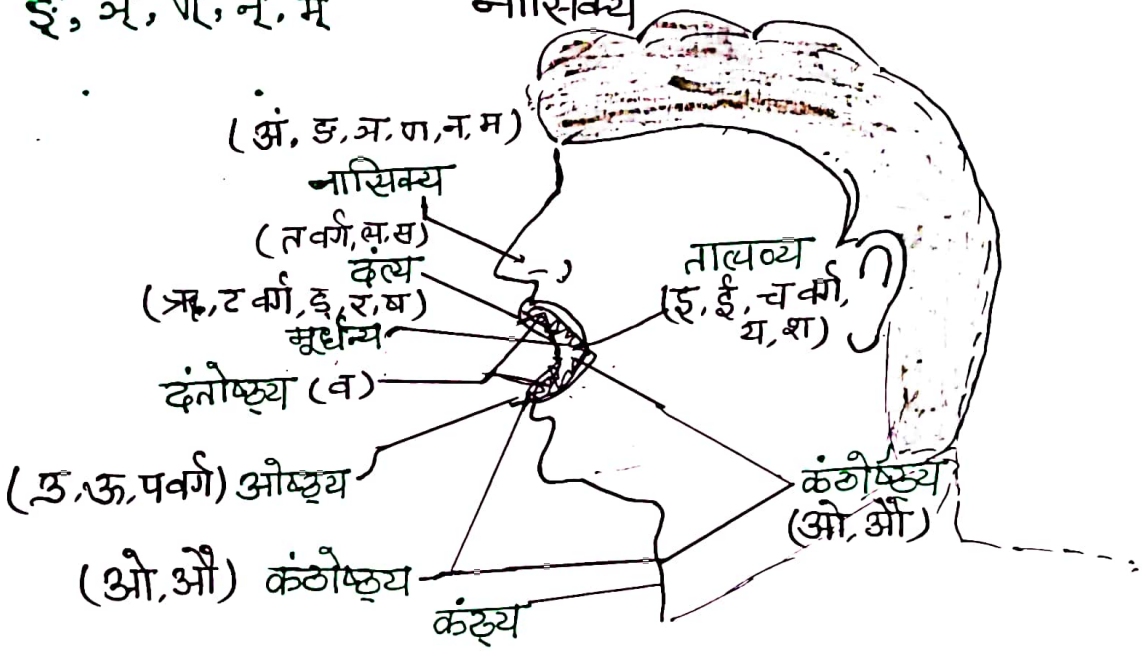

मुख्य बिन्दु

1. जो लिखित चिह्न हम प्रत्येक ध्वनि के लिए निर्धारित करते हैं, उसे वर्ण कहते हैं।
2. उच्चारण के आधार पर वर्णों को दो भागों में बाँटा जाता है- स्वर और व्यंजन
3. स्वर के दो भेद हैं- 1. ह्रस्व 2. दीर्घ। इनके अलावा संबोधन करने तथा किसी के नाम को पुकारने के लिए दीर्घ स्वर के अधिक समय का प्रयोग होता है तो उसे प्लुत कहते हैं।
4. व्यंजन के तीन भेद माने गए हैं- 1. स्पर्श व्यंजन 2. अंतस्थ व्यंजन 3. ऊष्म व्यंजन।

Scanned with CamScanner